पंजीयन क्रमांक - रायपुर/35362

एम.ए. छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन

(छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र विकास समिति द्वारा संचालित)

अध्यक्ष
ऋतुराज साहू

उपाध्यक्ष
पूजा परगनिहा
हितेश तिवारी
जिनेन्द्र यादव

कोषाध्यक्ष
संजीव साहू

संगठन मंत्री
विनय बघेल

सचिव
अजय पटेल

मीडिया प्रभारी
लोकेश सेन
पिलेश्वरी
खेमराज

सलाहकार
माखन चंद्रवंशी
ओमप्रकाश चंद्रवंशी
खिलेन्द्र
अदिति
यामिनी साहू
राहुल ध्रुव
लक्की शर्मा
अंकित देवांगन
सत्यप्रकाश
अनिल कुर्रे
गीतांजली साहू
गोविंदा

सांस्कृतिक प्रभारी
नागेश वर्मा
तारकेश्वर
नागेश कश्यप
राजकुमार निषाद
खीबराम

क्र. - 355/राप./छत्ती./2024 तारिक - 19 जून 2024

गोहार -पाती

सत्र के दौरान छत्तीसगढ़ी भाषा ल आठवीं अनुसूची म सामिल करवाय खातिर।

सेवा म,

सांसद . छत्तीसगढ़

सादर जोहार,

सबले पहिली छत्तीसगढ़ के सांसद चुन के दिल्ली सदन हबरे हव वोकर बर संगठन डहर ले बधई...

आप छत्तीसगढ़ के आवाज बनके इंहा के मांग ल सासंद मे जरूर उचाहू अइसन हम ला आसरा हे येही कड़ी म राज्य के तीन करोड़ लोगन के जनभाषा / राजभाषा / महतारी भाषा / सम्पर्क भाषा छत्तीसगढ़ी ल लेके ये संगठन एक खास मांग करत हे - छत्तीसगढ़ी ला आठवीं अनुसूची मे सामिल कराना।

ये मांग ऊपर लगातार प्रश्न चिन्हॉ उठत हे काबर की इंहा के जनता सरलग आपके पार्टी ल 9 ले 10 सासंद हर पइत जीता के भेजत हे ओकर बाद भी छत्तीसगढ़ी मे एक मइ होके आवाज अब तक ये मांग ल लेके नई रखे गे हे पूर्व म मांग जरूर रखे गे हे फेर छितका - छितका रूप मे रखे गे हे.

छत्तीसगढ़ी आठवीं अनुसूची म सामिल होय ओकर कुछ बिंदुवार जानकारी -

व्याकरण - बछर 1885 म श्री हीरालाल काव्यपाध्यय के दुवारा हिंदी ले पहली छत्तीसगढ़ी के व्याकरण लिखें गे हे अभी के बेरा म विनय पाठक,मंगत रविंद्र अउ रमेन्द्र नाथ मिश्रा अउ कतको झन के लिखें व्याकरण उपलब्ध हे।

लिपि - छत्तीसगढ़ी ल लिखें खातिर देश के सबले जादा प्रचलित ग्राम्ह लिपि देवनागरी बौरे जाथे। भारत सरकार के केन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय के द्वारा प्रतिपादित - परविधित देवनागरी के रहत छत्तीसगढ़ी के आघू कोनो समस्या नइ आवय।

शब्दोकोस -छत्तीसगढ़ी शब्दकोस बछर 1939 मे सबले पहिली प्रकाशित होय हे वोकर बाद चंद्रकुमार चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग भाग एक अउ दू के अलावा, पुनीत गुरवंश के संग कई शब्दोकोस उपलब्ध हे।

ठउर-मकान नं. -111 (ई.डब्ल्यू.एस) ब्लॉक नं.-10, सेक्टर-8, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अंबुजा मॉल के पीछे सड्डू, रायपुर (छ.ग.)
संपर्क सूत्र: 9171649642, 9300023188, 9340005770, 9303872333, 7828476871, 9340951255

छत्तीसगढ़ी मे पढ़ई - लिखई - प्रदेश के सबले जुन्ना विवि रविवि म बछर 2013 ले मास्टर डिग्री म एम ए छत्तीसगढ़ी के कोर्स संचालित हे एकर आलावा अन्य विवि कशाभाऊ, सिविरमन, सुंदरलाल, आईएसबिएम, भारती विवि, मे घलो मास्टर डिग्री मे एम ए कोर्स संनचालित हे।

अन्य -छत्तीसगढ़ी ल आठवीं अनुसूची म लाये बर ये बिंदु मे घलो प्रबल हे -

(1) भारत के आठवीं अनुसूची मे पा डारे कुछ अइसन भी भाषा घलो हे जेकर छेत्रफल छत्तीसगढ़ी ले कमती हे. छत्तीसगढ़ी के छेत्रफल 1,35,194 वर्ग किलोमीटर हे जबकि मलयालम, तमिल, बंगला, असमिया,बोड़ो पंजाबी, कोंकड़ी, मढ़ीपुरी के छेत्रफल कमती हे. बड़े भू भाग म बगरे के वजह ले छत्तीसगढ़ी ल आठवीं अनूसुची म जघा जरूर मिलना चाही।

(2) आठवीं अनुसूची म स्थान पाए कई ठन भाषा के अलगे राज्य नई हे जइसे - बोड़ो, मैथिली, सिंधी, उर्दू अउ हमर राज्य छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ी के आधार म बने हे ये पाए के येला आठवीं अनुसूची म जघा मिलना चाही।

(3) छत्तीसगढ़ी म आज के बेरा म पर्याप्त साहित्य उपलब्ध हे न सीरीफ पद्य बल्कि गद्य के हर विधा जइसे - कहिनी, निबंध, उपन्यास, जीवनी, संस्मरण सब मौजूद हे ता येकर फ्लस्वरूप घलो छत्तीसगढ़ी आठवीं अनुसूची म सामिल होना चाही।

(4) छत्तीसगढ़ी म कई लघु शोध अउ पी एच डी होय हे एमा डी लीट जइसे उचहा शोध घलो होय हवे ता इहु तर्क म घलो छत्तीसगढ़ी आठवीं अनुसूची म जोड़े जाना चाही।

(5) छत्तीसगढ़ी लोक गीत, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक कला सबो पर्याप्त मात्रा म लेखन होय हे आज सरलग पत्र - पत्रिका म छत्तीसगढ़ी छपत हे बड़का बड़का महाकाव्य अउ खंड काव्य घलो छत्तीसगढ़ी म अनुवादित होय हे ये घलो छत्तीसगढ़ी ल आठवीं अनुसूची म पोठ करे के बुता करथे।

(6) छत्तीसगढ़ी म हबीब तन्वीर, तीजन बाई, देवदास बंजारे, पुनाराम निषाद, ऋतु वर्मा, सुरुजबाई खांडे, उषा बारले, अजय मंडावी, सुरेंद्र दुबे, ममता चन्द्रकर,अनुज शर्मा जइसे कलाकार मन अंतराष्ट्रीय प्रसिद्धि पा डारे हे एकर सँग पद्मश्री, पद्म

विभुसन ले घलो नवाजे जा चुके हे ये पाय के घलोछत्तीसगढ़ी ला आठवीं अनुसूची म जघा मिलना चाही।

(7) आकाशवानी, दूरदरसन, रेलवे टेसन, एयरपोर्ट, मोबाइल सेवा म आज छत्तीसगढ़ी बऊरे जाथे. छत्तीसगढ़ी गीत आज दिल्ली - 6 फिलिम म घलो लिए गे हे एकर आलवा भूलन द कांदा फिलिम ल राष्ट्रीय अवार्ड मिले हे ता ये घलो छत्तीसगढ़ी ला आठवीं अनुसूची म सामिल कराये बर पोठ कदम आये।

(8) छत्तीसगढ़ी म भाषा के सबो गुन उपलब्ध हे जइसे ध्वनि विज्ञान, अर्थविज्ञान, रूप विज्ञान, समाज विज्ञान, शब्दविज्ञान, शब्दावली, भगोलिक, ऐतिहासिक सबो जिनिस मौजूद हे ता ये पाए के घलो छत्तीसगढ़ी ला आठवीं अनुसूची म जघा मिलना चाही।

(9) कहे जाथे की छत्तीसगढ़ ल समझना हे ता पहिली छत्तीसगढ़ी ल समझव इंहा के मनखे ल छत्तीसगढ़िया छत्तीसगढ़ी के वजह ले कहे जाथे. हमर भाषा आठवीं अनुसूची म जुड़ जाये ले एक नवा आयाम गढ़हि अउ हम ला भाषा के जुड़े ले राष्ट्रीय इस्तर म एक अलगे पहिचान मिल पाहि।

साहेब जिनगी म कोनो बुता असफल नई होय अगर सबो झन मिल जुल के सामूहिक रूप ले एक साथ प्रयास करे जाये ता छत्तीसगढ़ के भाषा छत्तीसगढ़ी आठवीं अनुसूची म जरूर सामिल हो जाहि। हमर संगठन ल आप मन ले आसरा हे की छत्तीसगढ़ के भाषा संस्कृति ला संसद म जरूर उचाहू अउ छत्तीसगढ़ी ला आठवीं अनुसूची म जरूर सामिल कराहु, आप मन ला हमर संगठन के जइसे जरूरत पढ़ही हमन करे बर तैयार हन।

जय जोहार जय छत्तीसगढ़ जय छत्तीसगढ़ी

ऋतुराज साहू
अध्यक्ष
एम.ए.छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन
पं.र.वि.वि., रायपुर
गोहार करोइया
ऋतुराज साहू
अउ जम्मो डिग्रीधारी एम.ए. छत्तीसगढ़ी, परविवि रायपुर
Mo- 9171649642